इकाई-IV

# 14. हमारा संकल्प

प्रस्तावना प्रसंग–

जगह–जगह हरियाली होगी।
तब ही तो खुशहाली होगी।
फल–फूलों की डाली होगी।
भारत–भूमि निराली होगी।

SCERT

## प्रश्न

1. हरियाली से क्या तात्पर्य है?
2. हरियाली किस प्रकार खुशहाली लाती है?
3. हरियाली बढ़ाने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

**पात्र :**

वृक्ष : बरगद, आम, पीपल, नारियल

पशु : बंदर

बच्चे : शशांक, आकाश, दिव्या

**वेशभूषा :** अभिनय करने वाले पात्र अपनी वेषभूषा धारण करते समय वृक्ष विशेष के पत्ते अपने आप पर चिपका लें।

(आम, पीपल, नारियल के वृक्षों का एक साथ प्रवेश)

सभी : प्रणाम! बरगद बाबा, प्रणाम।

बरगद : खुश रहो बेटा। खूब फूलो-फलो! तुम सब चिरायु बनो!

आम : आप चिरायु होने की बात कर रहे हैं। आज तो हम सबका जीवन संकट में है। आप तो जानते हैं। वृक्ष कितनी तेजी से कट रहे हैं।

पीपल : हाँ, बाबा। यदि यही हाल रहा तो वह दिन दूर नहीं जब यह पृथ्वी वृक्षहीन हो जायेगी। मनुष्य अपने स्वार्थ में यह भी भूल गया कि वह हमें काटकर अपना ही अहित कर रहा है।

SCERT TELANGANA



तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

नारियल : बाबा! मैं भी कई दिनों से इस चिंता में डूबा हुआ हूँ। इसीलिए तो हम सब मिलकर आप के पास आये हैं।

बरगद : बेटा! मेरी इन विशाल जटाओं ने मानव की न जाने कितनी पीढ़ियाँ देखी हैं। देखते ही देखते यहाँ मनुष्य न जाने क्या से क्या हो गया। जिस देश में वृक्षों को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती हो। उसी देश में उनपर ऐसे अत्याचार।

पीपल : लेकिन बाबा, मुझे आश्चर्य तो इस बात का है कि हम वृक्ष इनके लिए इतने उपयोगी हैं, फिर भी ये हमें काटने में ज़रा भी नहीं झिझकते। ज़रा यह भी नहीं सोचते कि हम इनके जीवन रक्षक हैं।

आम : हाँ बाबा, अब तो हमारा अस्तित्व ही खतरे में है। तुरंत ही इसका कोई समाधान सोचना चाहिए।

(एक बंदर का खों-खों करते हुए प्रवेश)

बंदर : बरगद बाबा! बरगद बाबा! हमें रहने का स्थान दो।

बरगद : क्या हुआ बेटा? तुम इतने घबराये हुए क्यों हो?

बंदर : बाबा! वनों में मनुष्य द्‌वारा पेड़ काटे जा रहे हैं। हम पशु-पक्षियों पर बड़ा संकट आ पड़ा है। सभी चितिंत हैं कि यदि वृक्ष नहीं रहे तो हम क्या खायेंगे? हम कहाँ रहेंगे?

आम, पीपल और नारियल (एक साथ) : बाबा देखा आपने, मनुष्य ने सारे प्राणी-जगत में त्राहि-त्राहि मचा दी है।

बरगद : मेरे बच्चो! थोड़ा धैर्य रखो। यदि मनुष्य की यही आदत बनी रही तो शीघ्र ही मनुष्य जाति के समक्ष गहन संकट की स्थिति खड़ी हो जायेगी। तब वह स्वयं वृक्षों के महत्व को समझेगा।

(आपस में बात करते हुए तीन बच्चों का प्रवेश। उन्हें आते हुए देख वृक्ष चुप हो जाते हैं।)

शशांक : ओफ! कितनी गर्मी है। धूल और धुएँ से मेरा दम घुटा जा रहा है। जहाँ देखो, वहाँ मोटर, स्कूटर, गाड़ियों का धुआँ और शोर।

दिव्या : (बरगद के पेड़ के पास जाकर) आओ भैया! इस बरगद के नीचे बैठें। कितनी ठंडक हैं इसकी छाया में।

आकाश : सचमुच, अब जाकर शांति मिली। इसीलिए तो आजकल जगह-जगह लिखा रहता है- पेड़ लगाइए और अपने वातावरण को हरा-भरा और शुद्‌ध बनाइए।

दिव्या : मुझे तो हरे-भरे पेड़-पौधे, बाग-बगीचे बहुत अच्छे लगते हैं। मैंने अपने आँगन में भी अमरूद, नींबू, गुलाब और चमेली लगा रखे हैं।



SCERT TELANGANA

आकाश : हमारे घर के आसपास भी सड़क के किनारे आम, नीम, पीपल के पेड़ लगे हुए हैं। मेरे दादाजी तो नीम की ही दातुन करते हैं। वे कहते हैं कि नीम का वृक्ष बड़ा गुणकारी है।

शशांक : हमारे मुहल्ले में एक वर्षों पुराना नीम का पेड़ था। लेकिन अभी कुछ दिन पूर्व जब मैं मामा के घर से लौटा तो देखा- नीम का पेड़ कटा पड़ा है। मुझे बहुत दुःख हुआ।

दिव्या : हाँ भैया! मेरी दादी जी कहती हैं कि वृक्षों में भी प्राण होते हैं। वे भी साँस लेते हैं, पानी पीते हैं। उन्हें भी भोजन चाहिए। काटने से उन्हें भी दुःख होता है।

बरगद : तुम्हारी बातें सुनकर हमने संतोष की साँस ली। अब तो हम तुम लोगों से कुछ भी आशा कर सकते हैं। आज सबके हित में यही है कि वृक्षों को काटने से रोका जाये और नये वृक्ष लगाये जायें।

आम : ज़रा सोचो बेटा! हम वृक्ष मनुष्य जाति के लिए अपने अंगों का सहर्ष दान करते हैं और उसने हमें ही काटना शुरू कर दिया। हम पर क्या गुजरती होगी?

शशांक, दिव्या : आप चिन्ता न करें। हम सब बच्चे मिलकर यह संकल्प करते हैं कि आपका संदेश
आकाश जन-जन तक पहुँचायेंगे।
(एक साथ)

शशांक : हम प्रण करते हैं कि वृक्षों का संरक्षण करेंगे और नये पेड़-पौधे भी लगायेंगे।

दिव्या : जंगल तो जंगल, घर-आँगन में भी पेड़-पौधे लगाकर गाँव शहरों को हरा-भरा रखेंगे।

वृक्ष और बच्चे : आओ मिलकर वृक्ष लगायें।
एक स्वर में धरती पर हरियाली लायें।
वातावरण को शुद्ध बनाकर,
जीवन में खुशहाली लायें।

(परदा गिरता है)

*-साभार पंजाब शिक्षा बोर्ड*

SCERT TELANGANA

# प्रश्न-अभ्यास

## सुनिए-बोलिए

1. वृक्ष मनुष्य, पशु-पक्षियों के जीवन के लिए किस प्रकार उपयोगी हैं? चर्चा कीजिए।
2. वृक्षों के संरक्षण एवं नये वृक्ष लगाने के लिए आप अपने मित्रों के साथ मिलकर चर्चा कीजिए। आपके सामने किस प्रकार की कठिनाइयाँ आ सकती हैं? चर्चा कीजिए।
3. तुम अपने घर-आँगन में कौन-कौन से पौधे लगाना पसंद करोगे और क्यों?

## पढ़िए

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. सभी वृक्ष बरगद के पास क्यों गये?
2. शशांक, दिव्या, आकाश आदि बच्चों ने कहा – 'हम सब बच्चे मिलकर संकल्प करते हैं कि आपका संदेश जन-जन तक पहुँचाएँगे।' वे संदेश क्या थे?
3. 'हमारा संकल्प' पाठ से हमें क्या सीख मिलती है?

**क्या-किसने कहा?**

1. खुश रहो बेटा! खूब फूलो-फलो! तुम सब चिरायु बनो।
2. यदि यही हाल रहा तो वह दिन दूर नहीं जब यह पृथ्वी वृक्षहीन हो जायेगी।
3. हम पशु-पक्षियों पर बड़ा संकट आ पड़ा है।
4. मनुष्य ने सारे प्राणी-जगत में त्राहि-त्राहि मचा दी है।
5. ओफ! कितनी गर्मी है। धूल और धुएँ से मेरा दम घुटा जा रहा है।
6. आओ भैया! इस बरगद के नीचे बैठें। कितनी ठंडक हैं इसकी छाया में।
7. मैंने अपने आँगन में भी अमरूद, नींबू, गुलाब और चमेली लगा रखे हैं।
8. वे कहते हैं कि नीम का वृक्ष बड़ा गुणकारी है।
9. मेरी दादी जी कहती हैं कि वृक्षों में भी प्राण होते हैं।
10. अब तो हम तुम लोगों से कुछ भी आशा कर सकते हैं।

## लिखिए

1. वृक्षों के तेजी से कटने के क्या कारण हो सकते हैं?
2. वृक्षों के प्रति किसकी क्या जिम्मेदारी है?

• आप की • विद्यालय की • सरकार की • जनता की



SCERT TELANGANA

## शब्द भंडार

1. ऐसे वृक्षों के नाम लिखिए जिनके पत्ते आप पहचान सकते हैं?
2. आपके विद्यालय में ऐसी कौन-कौनसी वस्तुएँ हैं, जो वृक्षों की सूखी लकड़ियों से बनी हैं?

## भाषा की बात

क्रियाओं से भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। जैसे 'मारना' से 'मार', 'काटना' से 'काट', 'हारना' से 'हार', सीखना से सीख आदि भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। नीचे दी गयी क्रियाओं से भाववाचक संज्ञाएँ बनाओ।

| | | |
|---|---|---|
| भागना से ............ | दौड़ना से ........... | पहचानना से ....... |
| हड़पना से ........... | बोलना से .......... | मुस्कराना से ....... |

## प्रशंसा

वृक्ष हमारे जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इसी प्रकार प्रकृति के अनेक तत्व हमारे लिए उपयोगी हैं। कुछ अत्यंत उपयोगी तत्वों के नाम लिखिए और आप किसे अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं? क्यों?

## सृजनात्मक अभिव्यक्ति

वृक्षारोपण एवं वृक्षों के संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए कुछ नारे लिखिए।

## परियोजना कार्य

किसी एक वृक्ष के पत्ते, फल, फूल, लकड़ी का टुकड़ा, उसकी छाल आदि एकत्र कीजिए और उसकी उपयोगिता के बारे में पता करके लिखिए।

| क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ? | हाँ (✓) | नहीं (×) |
|---|---|---|
| 1. पाठ के भाव के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। | | |
| 2. पाठ के विषय में मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति कर सकता/सकती हूँ। | | |
| 3. पाठ के शब्दों का प्रयोग अपनी भाषा में कर सकता/सकती हूँ। | | |
| 4. वृक्षों का महत्व एवं उनके संरक्षण के बारे में बता सकता/सकती हूँ। | | |
| 5. परिचित विषय संबंधी प्रेरणादायक नारों का सृजन कर सकता/सकती हूँ। | | |

SCERT TELANGANA